वन उत्पादकता संस्थान, रांची

वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालय, बोंगा, हजारीबाग, (झारखण्ड) में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए "प्रकृति" कार्यक्रम के तहत वन,पर्यावरण जागरूकता विषय पर कार्यक्रम

दिनांक: 18.02.2019

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून एवं जवाहर नवोदय विद्यालय समिति नोयेडा के साथ हस्ताक्षरित समझौते ज्ञापन (MoU) के तहत दिनांक 18.02.2019 को वन उत्पादकता संस्थान रांची के निदेशक एवं समूह समन्वयक (अनुसंधान) के निर्देशन में संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. अनिमेष सिन्हा ने जवाहर नवोदय विद्यालय, बोंगा ,हजारीबाग के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को संस्थान एवं संस्थान में चल रहे अनुसंधान गतिविधियों के वारे में अवगत कराया साथ ही साथ भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् देहरादून के तहत अन्य अनुसंधान संस्थान के वारे में भी चर्चा की| इन्होने पर्यावरण से सबंधित व्याख्यान में, कृषि-वानिकी विषय से अवगत कराया तथा कृषि-वानिकी के माध्यम से वृक्षों को लगाने से पर्यावरण पर अनुकूल प्रभाव से लोंगो को अवगत कराया गया।

श्री एस. एन. वैद्य, वन विस्तार प्रभाग ने "प्रकृति" कार्यक्रम के तहत वातावरण वन एवं पर्यावरण को कैसे सहेजा जाये ताकि प्रकृति सुरक्षित हो, विषय पर चर्चा की | इसके लिए पौधशाला एवं वनों को बढ़ावा एवं बचाने के लिए जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया | इस विषय पर विद्यालय के कक्षा 8, 9,11एव 12 वीं के विद्यार्थियों से दो विभिन्न चरणो मे चर्चा की गई। चर्चा में पोलिथिन से होने वाली गंभीर समस्याएं तथा इनसे कैसे निजात पायी जाए विषय भी शामिल था | इन्होने पौधशाला तकनीक पर भी चर्चा की । जवाहर नवोदय विद्यालय समिति, बोंगा, हजारीबाग के प्राचार्य श्री ए.के. प्रसाद एवं विद्यार्थियों को संस्थान भ्रमण एवं कार्यशाला के लिए के लिए आमंत्रित किया गया |

डा. अनिमेष सिन्हा ने जवाहर नवोदय विद्यालय के 8,9,11एव 12 वी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को वन पर्यावरण तथा वन जीव से सबंधित पर्यावरण को कैसे सुरक्षित रखा जाय तथा जैव विविधता पर अपना व्यख्यान दिया । उत्तक विधि द्वारा अधिक से अधिक पौध तैयार करने तकनीक एव कृषि-वानिकी से आजिविका तथा "प्रकृति" सुधार पर प्रकाश डाला। दिनांक 18.02.2019 को "प्रकृति" कार्यक्रम मे जवाहर नवोदय विद्यालय समिति हजारीबाग के 8,9,11एव 12 वी के 190 विद्यार्थियों एव 8 शिक्षकों ने में भाग लिया।

जवाहर नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को लाख उत्पादन को लाख उत्पाद एवं उपयोगिता पर चर्चा किया। | श्री वैद्य ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए वन संरक्षण किया जाना अति आवश्यक है| जिससे आम लोगों को अधिक से अधिक आजीविका का साधन प्राप्त कर सकते हैं| श्री एन.आलम सहायक,मुख्य तकनीकी अधिकारी ने इस कार्यक्रम में अपना योगदान दिया| संस्थान के दल नें विद्यालय प्रबंधन को सहयोग हेतु धन्यवाद प्रदान किया ।

जवाहर नवोदय विद्यालय
बोंगा, हजारीबाग, झारखण्ड
BONGA, HAZARIBAG, JHARKHAND

Hazaribag